वास देदो किशोरी जी बरसाना, छोडो छोडो जी छोडो जी तरसाना Bhajans Bhakti Songs

देख लिया यह जगत निगोड़ा,
देख लिए सब अपने,
इक इक ने मुझको तड़पाया,
तोड़ दिए सब सपने ।

एक आस लिए स्वामिनी जू की,
चौखट पर है जाना,
अबके लाड़ली हाथ पकड़ के,
मोहे रख लेंगी बरसाना ॥

वास देदो किशोरी जी बरसाना,
छोडो छोडो जी छोडो जी तरसाना ।

ना मांगू बैकुंठ लाड़ली,
ना मैं मांगू मुक्ति,
चरण तेरे में प्रीती हो जाए,
ऐसी दे दो भक्ति ।

राधा राधा रटूं, यह सीखा जाना,
वास देदो किशोरी जी बरसाना ॥

कौन राहो पहुंचाए स्वामिनी
सूझत नहीं किनारा,
बृज की रज में रज हो
जाऊं हो जाए पार उतारा ।

मर ना जाऊं जल्दी से आ जाना,
वास देदो किशोरी जी बरसाना ॥

मेरे मस्तक हाथ धरो
तो बन जाए वो रेखा,
'श्री हरी दासी' ने संतो
की आँखों में जैसा देखा ।

मैं भी देखू मैं देखूं वो बरसाना,
वास देदो किशोरी जी बरसाना ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/vaas-dedo-kishori-ji-barsana-chhodo-ji-tarsana/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw